No. of Printed Pages : 10 **MTT–003**

POST GRADUATE CERTIFICATE IN BANGLA-HINDI TRANSLATION (PGCBHT)

Term-End Examination

June, 2026

MTT-003 : बांग्ला-हिंदी के विभिन्न भाषिक क्षेत्रों में अनुवाद

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

नोट : *(i) सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) प्रश्न सं. 1 का उत्तर लगभग 750 शब्दों में दीजिए।

---

1. गद्यानुवाद और पद्यानुवाद करते समय अनुवादक को किस प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है ? सोदाहरण चर्चा कीजिए। 20

अथवा

प्रशासनिक सामग्री का अनुवाद करने में किन बातों का ध्यान देना चाहिए ? सोदाहरण चर्चा कीजिए।

2. निम्नलिखित बांग्ला शब्दों के हिंदी पर्याय लिखिए : 5

(i) আজগুবি

(ii) তালু

(iii) তল্পিতল্পা

(iv) আল্পা

(v) আতা

(vi) মেরুদন্ড

(vii) ঝিঙে

(viii) চড়ুই

(ix) হৈহুল্লড়

(x) মাড়ি

3. निम्नलिखित हिंदी शब्दों के बांग्ला पर्याय लिखिए : 5

(i) सनसनीख़ेज

(ii) जाँच-परख

(iii) हरियाली

(iv) कटोरा

(v) गुलमोहर

(vi) अनार

(vii) गंजा

(viii) हथेली

(ix) वसीयत

(x) निविदा

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** शब्दों के बांग्ला में अर्थ बताइए और उनका हिंदी और बांग्ला वाक्यों में अलग-अलग प्रयोग कीजिए : 20

(i) हलचल

(ii) पैदावार

(iii) शामिल

(iv) घुल-मिलकर

(v) इकाई

(vi) जानकारी

(vii) बेतुका

(viii) उद्देश्य

(ix) अजनबी

(x) फिलहाल

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** का हिंदी में अनुवाद कीजिए : 4×10=40

(a) নবীনকুমারের মতন বড় মানুষের সন্তান, বিশেষত সম্পত্তির অধিকারী স্বাবলম্বী যুবকের পক্ষে বেশিদিন একা থাকা সম্ভব নয়। সান্ধ্য অভিযানে সে আর কতদিন একা একা ঘুরবে। তাছাড়া অনেকে তাকে দেখেই চিনতে পারে। বাইশ বৎসর বয়সেই সে এই নগরীর প্রধান ব্যক্তিদের মধ্যে অগ্রগণ্য, অনেক সভ্য সমিতিতে তাকে দেওয়া হয় সম্মানিত আসন৷

তার খ্যাতির কারণ দু'রকম৷ সুধীজন ও বিদ্বজ্জন মন্ডলী তাকে চিনছে ধনীদের মধ্যে একজন ব্যতিক্রম হিসেবে। অতুল সম্পত্তির অধিকারী হয়েও সে বিলাসিতায়, অমিতাচারে গা ভাসায়নি, ইংরেজ শাসক গোষ্ঠীর করুনা পাবার জন্যও তেমন লালায়িত হতে দেখা যায়নি, আবার ধর্মসংস্কারের নামেও উন্মত্ত হয়নি৷ প্রায় কৈশোর বয়সে বিপুল

আড়ম্বরের সঙ্গে সে নিজগৃহে নাটক অভিনয়ের আয়োজন করেছিল, স্বয়ং নায়ক সেজে সুনামও পেয়েছিল যথেষ্ট।

(b) ক্ষুদ্র ক্ষুদ্র রেশম গুটি। তার থেকে পাওয়া তন্তু। সেই রেশম তন্তু বুনে তৈরি হচ্ছে বারো হাতের মায়াজাল। তার মধ্যে ফুটে উঠছে হাজারো নকশা। ভারতের রেশম শিল্পের ইতিহাস গভীর ও দীর্ঘ। সিল্ক এমন এক ফ্যাব্রিক যা পরে আরামও হয় এবং ফ্যাশনদুরস্তও।

একটা সময় ছিল যখন চীন থেকে রেশম আমদানি করত ভারত। আর এখন ভারতই বিশ্বের দ্বিতীয় বৃহৎ রেশম রপ্তানিকারক দেশ। ভারতে প্রাকৃতিক উপায়ে মূলতঃ চার রকমের পাওয়া যায় - মালবেরি, কসরত, মুগা, এরি। এরমধ্যে মালবেরি রেশম সবচেয়ে উৎকৃষ্ট। রেশন কীট ও তার চাষের পদ্ধতির বৈচিত্রের কারনেই সিল্কের এই ভাগ। পশ্চিমবঙ্গের সিল্ক সংস্কৃতি গর্ব করার মতো। কর্নাটক, অন্ধপ্রদেশের পাশাপাশি এ রাজ্যেও প্রভূত পরিমাণে রেশম উৎপন্ন হয়।

(c) খর্বকায় বলে বিদ্রুপ করবেন না, বার্তা অভিমানী নবদ্বীপের।

<u>নিজস্ব প্রতিবেদন</u>

৮ সেপ্টেম্বর : উচ্চতায় মাত্র ৪ ফিট ৪ ইঞ্চি। খর্বকায় বলে শুনতে হয়েছে নানা ধরনের বিদ্রুপ। সেখানেই শেষ নয়। শুরুতে বেছে নিয়েছিলেন কুস্তিকে। কিন্তু গতিপথ বদলে যায় দুই অলম্পিক্সে

পদকজয়ী নীরজ চোপড়াকে দেখে। শুরু হয় নতুন অভিযান। শনিবার যা সম্পূর্ণ হয় জ্যাভলিনে সোনা জয় করে৷

২৩ বছরের নবদীপ সিংহকে নিয়ে এই মূহুর্তে উত্তাল ক্রীড়ামহল। কিন্তু সোনার পদক জিতেও অভিমান যেন আরও ঝরে পড়ছে হরিয়ানার পানিপত জেলার ছেলের। বলছেন, 'খর্বকায় বলে কত বিদ্রুপ সহ্য করতে হয়েছে। কিন্তু দেশকে তো আমিও সোনা উপহার দিয়ে সম্মানিত করেছি। তার একটা স্বীকৃতি তো প্রাপ্য।'

(d) <u>একদিন</u>

মানুষের ভালোবাসা মানুষেরই কাছে দামি৷ একদিন সুস্পষ্ট গন্ধ ছিলো তার সন্ন্যাসী গুহায় অর্থাৎ হৃদয়ে ঘ্রাণ, মন:প্রাণ ভক্তের প্রণামী নিতেও উৎসুক ছিলো, চারিদিকে আত্মহত্যাকামী আজ, কেন ? কী কারনে, জেনেও নিশ্চিত সুবিধায় মানুষ লুকিয়ে থাকে খাস হয়ে মনের গভীরে··· সাড়াহীন শ্রুতিবদ্ধ, প্রজড় জীবিতমাত্রপ্রাণে মানুষই ছুটছে দেখি মৃত্যুর নিষ্ঠুর অনুষ্ঠানে সারবদ্ধ পোকা যেন বাদলের, তাড়িত বিষের কিংবা তারো চেয়ে নীল, শোনপাংশু মালিন্যরে হারে মানুষ ? মানুষই তাকে বলা যায়, অন্য কিছু নয়৷ উৎকৃষ্ট বিশ্বাস নিয়ে জন্মে যদি শিশুর হৃদয় এখনো আমার দেশে, তার কানে কানে বলি আমি: মানুষের ভালোবাসা মানুষেরই কাছে ছিলো দামী একদিন৷

(e) <u>আসানসোল ডিভিশনে চুক্তিভিত্তিক চিকিৎসক নিয়োগ</u>

আসানসোল ডিভিশনের চিকিৎসা বিভাগে চিকিৎসক ৫টি শূন্যপদের জন্য পুনর্নিয়োগ করতে পূর্ব রেলওয়ের অবসরপ্রাপ্ত চিকিৎসকদের থেকে নির্ধারিত বয়ানে আবেদন আহ্বান করা হচ্ছে ।

পুনর্নিয়োগের শর্তাবলী নিম্নরূপ

- যোগ্যতা : পূর্ব রেলওয়ের চিকিৎসা বিভাগ থেকে অবসরপ্রাপ্ত চিকিৎসক যিনি নির্দিষ্ট পদে কাজ করেছেন এবং বাধ্যতামূলক অবসরপ্রাপ্ত / অপসারিত বা বরখাস্ত হননি। প্রশাসনিক প্রয়োজনীয়তা অনুসারে আসানসোল ডিভিশনে যে কোন জায়গায় পোস্টিং হতে পারে।
- বয়স: প্রবেশের বয়স ৬০ ও ৬৪ বছরের মধ্যে হতে হবে।

পারিশ্রমিক: অবসর গ্রহণের সময় প্রাপ্ত বেতন থেকে মূল রাশি হ্রাস করে যে রাশি হবে তার সমপরিমাণ রাশি চুক্তি চলাকালীন পারিশ্রমিক হিসেবে ধার্য করা হবে। চুক্তি চলাকালীন কোনও বৃদ্ধি, মহার্ঘ ভাতা বা আবাস ভাতা অনুমোদিত হবে না।

6. निम्नलिखित में से किसी **एक** का बांग्ला में अनुवाद कीजिए : 1×10=10

(क) जिस समाज में रात-दिन मेहनत करने वालों की हालत उनकी हालत से बहुत कुछ अच्छी न थी और किसानों

के मुकाबले में वे लोग, जो किसानों की दुर्बलताओं से लाभ उठाना जानते थे, कहीं ज्यादा संपन्न थे, वहाँ इस तरह की मनोवृत्ति का पैदा हो जाना कोई अचरज की बात न थी। हम तो कहेंगे, घीसू किसानों से कहीं ज्यादा विचारवान था, जो किसानों के विचार शून्य समूह में शामिल होने के बदले बैठकबाजों की कुत्सित मंडली में जा मिला था। हाँ, उसमें यह शक्ति न थी कि बैठकबाजों के नियम और नीति का पालन करता। इसलिए जहाँ उसकी मंडली के और लोग गाँव के सरगना और मुखिया बने हुए थे, उस पर सारा गाँव उंगली उठाता था। फिर भी उसे यह तसल्ली तो थी ही कि अगर वह फटेहाल है, तो कम–से–कम उसे किसानों की सी जी–तोड़ मेहनत तो नहीं करनी पड़ती। उसकी सरलता और निरीहता से दूसरे लोग बेजा फायदा तो नहीं उठाते।

(ख) कदम बढ़ाने वाले : कलम चलाने वाले

अगर तुम्हारा मुकाबला

दीवार से है,

पहाड़ से है,

खाई खंदक से,

झाड़-झंखाड़ से है,

तो दो ही रास्ते हैं–

दीवार को गिराओ

पहाड़ को काटो

खाई-खंदक को पाटो,

झाड़-झंखाड़ को छाँटो, दूर हटाओ,

और ऐसा नहीं कर सकते–

सीमाएँ सबकी हैं–

तो उनकी तरफ पीठ करो, वापस आओ।

प्रगति एक की राह से नहीं चलती है,

लौटने वालों के साथ भी रहती है।

तुम कदम बढ़ाने वालों में हो

कलम चलाने वालों में नहीं

कि वहीं बैठ रहे।

और गत्यावरोध पर लेख–पर–लेख लिखते जाओ।

× × × × ×